मोबाइलः- 9425124499, फोनः-0761 2425789

बीएसएनएल यूनियनों एवं एसोसिएशनों की संयुक्त कार्यवाही समिति (जेएसी)

मध्य प्रदेश परिमंडल भोपाल

कार्यालयः- 1195, शाही नाका रोड, गढ़ा, जबलपुर

''उपभोक्ता डिलाइट माह-मई 2011''

पत्रकार वार्ता भोपाल दिनांक 24-05-2011

प्रेस नोट

भोपाल दिनांक 24-05-2011/ यह पहिला अवसर है जब बीएसएनएल के परिमंडल प्रबन्धन एवम् यूनियनों/एसोसिएशनों ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता का आयोजन किया है। इससे पहिले, यूनियनों/एसोसिएशनों ने 18 अप्रेल से 24 अप्रेल 2011 तक कर्मचारियों एवम् अधिकारियों को वर्तमान स्थिति को अच्छी तरह से समझने और समझाने के लिए ''जागरूकता सप्ताह'' मनाया था। यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया था। इसी श्रृंखला में मई 2011 को ''उपभोक्ता डिलाइट महिना'' के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। इस प्रकार कर्मचारियों और अधिकारियों की यूनियनों/एसोसिएशनों की संयुक्त कार्यवाही समिति और प्रबन्धन ने बीएसएनएल के ग्राहकों को प्रसन्न और संतुष्ट बनाने की योजनाओं एवं कार्यों को अपने हाथों में लिया है। इस अभियान में, बीएसएनएल की पूरी बिरादरी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होना एक अच्छा तथा आशाओं से भरा हुआ अनुभव है।

उल्लेखनीय है कि, लगभग 10 हजार करोड़ सालाना का मुनाफा अर्जित करने वाली बीएसएनएल कम्पनी ने सन् 2009-2010 में लगभग 1800 करोड़ का घाटा दर्ज किया है। इसी प्रकार, बीता हुआ वित्त वर्ष भी और भी बढ़े हुए घाटे का संकेत दे रहा है। ऐसी स्थिति का बने रहना, हम सब के लिए चिन्ता का विषय हो गया है। सरकारी क्षेत्र की कम्पनी का अपनी बर्बादी की ओर कदम बढ़ाना, दूर संचार के ग्राहकों के लिए भी चिन्ता का विषय होगा क्योंकि निजी क्षेत्र की कम्पनियां आपस में गठजोड़ बनाकर ग्राहकों का शोषण कर सकती हैं तथा कमजोर ग्राहकों को बाजार से बाहर भी कर सकती हैं।

एक बात और भी ध्यान में रखने योग्य है। यह सोचा जा सकता है कि, बीएसएनएल की यूनियनों और एसोसिएशनों की आंखें तब खुली हैं जब बीएसएनएल घाटे में पहुंचकर पीछे की ओर मुड़ रहा है। किन्तु ऐसा नहीं है। यूनियनों और एसोसिएशनों की संयुक्त कार्यवाही समिति (जेएसी) के द्वारा सन् 2007 के प्रारम्भ से ही इस विषय में हर सम्भव कार्यवाही की गई है। 11 जुलाई 2007 को कर्मचारियों और अधिकारियों ने सिर्फ एक मांग पर कि, ''बी एस एन एल के मोबाइल क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी उपकरण क्रय करो'' शत-प्रतिशत हड़ताल की थी। इसके बाद, सिर्फ बी एस एन एल के विकास के मुद्दों को लेकर ही 2 दर्जन से अधिक कार्यवाहियां की गई हैं।

किन्तु, सरकारी क्षेत्र की कम्पनी होने के कारण, बी एस एन एल को कुछ असहज एवं औपचारिकता सम्बन्धी बाधाओं का सामना करना पड़ा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि, बी एस एन एल, अपने विकास के लिए अपना ही धन उपयोग न कर सका। इस प्रकार कम्पनी को जरूरी उपकरण प्राप्त नहीं हो पाये हैं तथा दूरसंचार के बाजार में कम्पनी दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर खिसक गई है। यह भी ध्यान देने की बात है कि, निजी कम्पनियों के मुकाबले, बी एस एन एल को लगभग 6 साल बाद मोबाइल के क्षेत्र का लायसेंस मिला था। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि, मोबाइल के क्षेत्र में बी एस एन एल के प्रवेश करने के पूर्व तक निजी कम्पनियां अपने ग्राहकों से जाने वाले कालों के लिए रू.24/- तथा आने वाले कालों के लिए रू.16/- प्रति मिनिट की दर से शुल्क प्राप्त कर रही थीं। इस प्रकार, मोबाइल के क्षेत्र में बीएसएनएल के प्रवेश ने ही देश में संचार क्रान्ति के दरवाजे खोले हैं तथा विश्व की सबसे सस्ती मोबाइल सेवाएं उपलब्ध हुई हैं एवं टेली डेन्सिटी में भारी वृद्धि हुई है।

क्रमशः......2.....